Self Respect

20-08-2014

- ✓ पुरानी दुनिया दु:खधाम का अन्त है । अभी तुम सुखधाम चलने का पुरूषार्थ करते हो । तुम शुद्र से ब्राह्मण बने हो । यह तो याद रहना चाहिए ना । शूद्र को है दु:ख, हम दु:ख से निकल फिर अब चोटी पर चढ़ रहे है तो एक बाप को याद करना है । मोस्ट बिलवेड बाप है । उनसे मीठी चीज कौन-सी होती है?
- ✓ बाबा बेहद का बाबा है, उसको याद करने से ही 21 जन्मों का सुख सामने आ जाता है । बाप से यह वर्सा मिलता है । सेकण्ड में बच्चों को बाप का वर्सा सामने आ जाता है । बच्चा पैदा हुआ, बाप जान जाते हैं वारिस ने जन्म लिया । सारी मिलकियत याद आ जायेगी । तुम भी अकेले अलग-अलग बच्चे हो, अलग-अलग वर्सा मिलता है ना । अलग-अलग याद करते हो । हम बेहद बाप के वारिस हैं ।

- ✓ अभी तुम समझते हो कि हम बाबा के मोस्ट बिलवेड बच्चे हैं । बाप से पूरा बेहद का वर्सा जरूर मिलेगा । कैसे लेंगे? वह भी तुम बच्चों को सेकण्ड में याद आ जाता है । हम सतोप्रधान थे फिर तमोप्रधान बने, अब फिर सतोप्रधान बनना है । तुम जानते हो बाबा से हमको स्वर्ग के सुख का वर्सा लेना है ।

- ✓ बाप तुम बच्चों को अपार सुखो में ले जाते हैं । सतयुग में अपार सुख है, कलियुग में अपार दुःख है इसलिए इसे कहते ही हैं दु:खधाम । बाप तो कोई तकलीफ नहीं देते हैं ।

✓ अभी तुम्हारे साथ कौन है? विचित्र बाप । वह कहते हैं यह मेरा शरीर नहीं है । यह तुम्हारे इस दादा का शरीर है, जिसने पूरे 84 जन्म लिए हैं, इनके बहुत जन्मी के अन्त में मैं इसमें प्रवेश होता हूँ, तुमको सुखधाम ले जाने, इसको गऊमुख भी कह देते हैं । गऊमुख पर कितना दूर-दूर से आते हैं । यहाँ भी गऊ मुख है ।

✓ अभी तुम बच्चे श्याम से सुन्दर बन रहे हो इसलिए कृष्ण को भी श्याम-सुन्दर कहते हैं । सचमुच काला बना देते हैं । काम चिता पर चढ़े हैं तो निशानी दिखा दी है । परन्तु मनुष्यों की कुछ बुद्धि चलती नहीं । एक सावरा दूसरा गोरा कर देते हैं । अभी तुम गोरा बनने का पुरूषार्थ कर रहे हो ।

✓ तुम समझ गये हो हमारा राज्य था, वह हमने गंवाया है । अब फिर बाप कहते हैं-बच्चे, नर से नारायण बनना है तो पुरूषार्थ करो ।

- ✓बाप कहते हैं-मीठे-मीठे बच्चों, हम तुमको राज्य देकर जाते हैं 21 जन्म के लिए । वहाँ और कोई का राज्य होता नहीं । दु:ख का नाम नहीं, तुम बड़े सुखी और धनवान होते हो । यहाँ तो मनुष्य कितना भूख मरते रहते हैं । वहाँ तो सारे विश्व में तुम राज्य करते हो ।
- ✓वरदान:स्नेह के रिटर्न में स्वयं को टर्न कर बाप समान बनने वाले सम्पन्न और सम्पूर्ण भव !
- ✓मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |